हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 26 सितम्बर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

भारतीय वायु सेना के दिग्गज लड़ाकू विमान के रूप में छह दशकों की सेवा के बाद, मिग-21 लड़ाकू विमान को आज अंतिम विदाई दी गई। चंडीगढ़ एयरबेस पर आयोजित विदाई समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायुसेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मिग-21 अभियानों का समापन आज एक औपचारिक फ्लाईपास्ट के साथ हुआ।

अपनी आखिरी गर्जन के साथ ही मिग -21 भारत की वायु शक्ति के इतिहास का एक अध्याय बन गए। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा –

1960 के दशक में इस प्रतिष्ठित विमान को पहली बार चंडीगढ़ में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े में शामिल किया गया था। उस समय विंग कमांडर दिलबाग सिंह ने 1963 में चंडीगढ़ में पहली मिग-21 स्क्वाड्रन का नेतृत्व किया था। बाद में दिलबाग सिंह भारतीय वायु सेना के प्रमुख बने। MiG 21 को भारतीय वायु सेना की रीढ़ भी कहा जाता था।

****

सेवा और सुशासन, अर्थात जनसेवा के लिए शासन के मंत्र से प्रेरित होकर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार परिवर्तन और प्रगति लाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। आज, इस विशेष श्रृंखला - 'सेवा पर्व' में, हम आपको बताएंगे कि कैसे मोदी सरकार ने रक्षा उत्पादन को मज़बूत किया है, जिससे भारत आत्मनिर्भर बना है और वैश्विक रक्षा बाज़ार में एक उभरती हुई शक्ति बना है।

आत्मनिर्भरता नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेड इन इंडिया का कौशल प्रदर्शित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर ज़ोर दिया है...

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में, वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में एक लाख 50 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया, जो 2014-15 के आँकड़े से तीन गुना से भी अधिक है। उद्योग के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों ने पिछले एक दशक में दूरगामी नीतिगत सुधारों, व्यापार में सुगमता में वृद्धि और स्वदेशीकरण पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने के कारण लगातार साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की है। मेक-इन-इंडिया भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का एक अनिवार्य घटक है, जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और पीओके में आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी कार्रवाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रणनीतिक नीतियों और स्वदेशी नवाचार से प्रेरित रक्षा उत्पादन में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता ने राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता। बढ़ते निर्यात और मेक इन इंडिया जैसी पहल अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। अश्विनी कुमार शर्मा आकाशवाणी समाचार चंडीगढ़

****

हरियाणा विधान सभा द्वारा लोकसभा के संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान के सहयोग से विधान सभा और हरियाणा सरकार के अधिकारियों के लिए विधायी प्रारूपण पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज चंडीगढ़ में शुरू हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

****